भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2358

13 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

†2358. श्री वी. के. श्रीकंदनः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आक्रामक मलेरिया वाहक एनोफेलेस स्टेफेन्सी महानगरों में फैल गया है, जो राष्ट्रीय चिंता का विषय है और वर्ष 2030 तक मलेरिया उन्मूलन के भारत के लक्ष्य के लिए जोखिम है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए निगरानी प्रणालियों को सुदृढ़ करने, वाहक निगरानी बढ़ाने और आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता में सुधार किए जाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश मलेरिया उन्मूलन में उन प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहा है जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में उठाए गए/उठाए जाने वाले कदम क्या हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) एवं (ख) जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने की जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपने समग्र संसाधन दायरे के भीतर प्रस्तुत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के आधार पर मलेरिया सहित वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को एकीकृत रूप से वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

एनोफेलीज स्टीफेन्सी भारत के महानगरों/कस्बों में मलेरिया का एक प्रमुख वाहक है। देश के शहरी क्षेत्रों/महानगरों/कस्बों में वेक्टर नियंत्रण/वेक्टर निगरानी नियमित रूप से की जाती है। मलेरिया उन्मूलन के लिए कार्यनीतियां प्रभावी हैं और किसी विशिष्ट वाहक से प्रभावित नहीं हैं। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) मलेरिया की स्थिति की वास्तविक समय रियल-टाईम में निगरानी के लिए सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी) से जोड़कर निगरानी प्रणालियों को सुदृढ़ कर रहा है। आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता में सुधार लाने के लिए, स्टॉक संबंधी निगरानी हेतु ड्रग वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन एंड मैनेजमेंट सिस्टम (डीवीडीएमएस) पोर्टल शुरू किया गया है।

(ग) एवं (घ) मानसून और उसके बाद के समय में वेक्टर जनित रोगों का खतरा बढ़ने के कारण, भारत सरकार मानसून के मौसम से काफी पहले ही तैयारी संबंधी गतिविधियाँ शुरू कर देती है और मलेरिया जैसे वेक्टर जनित रोगों के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:

• रोग प्रबंधन, जिसमें सक्रिय और निष्क्रिय निगरानी के साथ मामलों का शीघ्र पता लगाना, उसके बाद पूर्ण और प्रभावी उपचार, रेफरल सेवाओं को सुदृढ़ करना, महामारी की तैयारी और त्वरित अनुक्रिया शामिल है।

• एकीकृत वेक्टर प्रबंधन जिसमें चयनित उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में इनडोर रेसिडुअल स्प्रेइंग (आईआरएस), उच्च मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में दीर्घकालिक कीटनाशक जाल (एलएलआईएन), लार्वाभक्षी मछलियों का उपयोग, शहरी क्षेत्रों में जैव-लार्वानाशक सहित लार्वा-रोधी उपाय और प्रजनन की रोकथाम के लिए लघु पर्यावरणीय अभियांत्रिकी एवं स्रोत न्यूनीकरण शामिल हैं।

• मलेरिया उन्मूलन प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए 10 उच्च प्राथमिकता वाले राज्यों को वैश्विक कोष के तहत अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाती है।

• सहायक कार्यकलाप जिनमें व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी), अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण और क्षमता निर्माण के माध्यम से मानव संसाधन विकास शामिल हैं।

****